No. of Printed Pages : 5

पी.जी.डी.टी.-01

अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

00632

जून, 2016

पी.जी.डी.टी. - 01 : अनुवाद : सिद्धांत और प्रविधि

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

***नोट : सभी** प्रश्नों के उत्तर देने हैं।*

1. शिक्षा, व्यवसाय तथा प्रशासनिक क्षेत्रों में अनुवाद के महत्व पर एक संक्षिप्त निबंध लिखिए। 20

अथवा

अननुवाद्यता की अवधारणा स्पष्ट करते हुए इसके विभिन्न आयामों पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।

2. शब्दकोश निर्माण में कंप्यूटर का उपयोग किन-किन क्षेत्रों में और किस प्रकार हो सकता है? 20

अथवा

लिप्यंतरण किसे कहते हैं? अनुवाद में लिप्यंतरण की आवश्यकता कहाँ-कहाँ पड़ती है?

3. **किन्हीं दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : 2x10=20

(क) पद्यानुवाद की सीमाएँ

(ख) पुनरनुवाद

(ग) परिभाषा कोश की उपयोगिता

(घ) मौखिक साहित्य का अनुवाद

4. निम्नलिखित अभिव्यक्तियों में से **किन्हीं पाँच** का हिंदी में अनुवाद कीजिए : **5x2=10**

(क) Where there is a will, there is a way

(ख) Build castles in the air

(ग) Lull before the storm

(घ) To kill two birds with one stone

(ङ) To be caught red-handed

(च) As wise as an owl

(छ) Hard nut to crack

(ज) Well begun is half done

5. निम्नलिखित शब्दों को कोशक्रम में लिखिए : **10**

(क) Gentle, greet, garden, gloat, gelatine, groan, good, get, gaze, giant

(ख) कोश, किशोर, कसरत, क्यारी, कार्य, कीमत, कैसा, कोष, कारण, कौरव।

6. निम्नलिखित में से **किसी एक** का हिंदी में अनुवाद कीजिए : 10

(क) The conclusion of World War II left Britain impoverished and weakened. This second world conflict had taken place before the country had started to recover from the first. The casualties were lighter in 1939-45, due to better leadership, but they were intensely damaging. The best were killed of a generation that grew up from among the Survivers of the first world war. Politically, the feeble government of the pre-war years had discredited not only the political parties but the party system itself – Almost as disastrous had been the war time propaganda. Instead of people being told that they were fighting merely for survival, they were assured, as in World War I, that they were fighting to make a better world for themselves and for their children. There was, of course, no conceivable chance of the world being improved in any way. How could it be ? When was any society ever improved by destruction and bloodshed ?

(ख) The principle of humility (विनम्रता) is that a man should not think highly of himself for any reason whatsoever. The man of understanding will, upon reflection, realise that there is no justification for pride or

vainglory (शेख़ी), even if he was privileged to become very learned. A man of understanding who has acquired more knowledge than the average person, has accomplished nothing more than what his nature impelled him to do : Hence, if a man is learned, he is indebted to natural gifts which he happens to possess. And anyone gifted by nature with a mind like his would be just as learned. The man who possesses great knowledge, instead of yielding to pride and self-esteem (आत्म-गौरव), should impart that knowledge to those who are in need of it.

7. निम्नलिखित में से **एक** का अंग्रेज़ी में अनुवाद कीजिए : 10

(क) आज से पचास साल पहले जीवन अलग ही तरह का था। बच्चों के मनबहलाव के साधन भी और थे। कंप्यूटर और इंटरनेट की बात तो छोड़ ही दीजिए, तब टी.वी. और इलेक्ट्रॉनिक खेल भी नहीं थे। आज के बच्चों के पास ये सब है और वे बहुत मेधावी भी होने लगे हैं, मगर उनकी मासूमियत (innocence) और बचपन कहीं खो गए हैं। अब खुले मैदान कहीं दिखाई ही नहीं देते। उन मैदानों में दौड़ना, पेड़ों पर चढ़ना, बारिश में नहाना, बिना महँगे साधनों के, बल्कि बिलकुल बिना साधनों के भी तरह-तरह के खेल खेलना—ये सब आज के बच्चों के भाग्य में कहाँ? तब एक लकड़ी लाठी (staff) भी बन जाती थी, घोड़ा भी और तलवार भी। साधन कम थे मगर कल्पना के लिए अपार गुंजाइश थी। साथियों के पास भी उतने ही सीमित साधन होते थे। इसलिए ईर्ष्या का भाव भी दोस्ती में खलल नहीं डालता था।

(ख) नदियों पर बाँध बनाते समय दावा किया जाता है कि इनके निर्माण के साथ ही नदी में आने वाली बाढ़ पर रोक लग सकेगी और उससे उत्पन्न बरबादी पर भी। परंतु अनुभव यह है कि बाँधों के कारण बाढ़ पर रोक नहीं बल्कि उनमें वृद्धि होती है। जब बाँध पूरा भर जाता है तो उससे भारी मात्रा में पानी एक साथ छोड़ा जाता है और नदियों में अप्रत्याशित बाढ़ आ जाती है। सन् 2006 में गुजरात में आई भारी बाढ़ के पीछे के कारणों के अध्ययन हेतु गठित जन समिति का निष्कर्ष है कि इस बाढ़ के लिए वहाँ की नदियों पर बने बाँध ही जिम्मेदार हैं। बाढ़ की भूमिका की नासमझी के कारण बिहार में उन्हें रोकने के लिए नदियों के किनारे तटबंध (embankments) बनाए गए हैं। पूर्व में नदियों में बाढ़ का पानी चारों ओर फैलता था और बाढ़ की समाप्ति के साथ ही वापस उसी नदी में सिमट जाता था। इसी प्रक्रिया में बाढ़ का वह पानी अपने साथ लाई उपजाऊ मिट्टी को खेतों में बिछा देता था एवं उन्हें लगातार उपजाऊ बनाए रखता था।